खाद्य उद्योग उन्नयन योजना

चर्चा में क्यों?

[प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME)](#) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्य बिंदु

मुद्दे के बारे में:

- **ऋण स्वीकृति** के मामले में उत्तर प्रदेश में औसतन **101 दिन** लगते हैं, जबकि बिहार में **110 दिन** और तेलंगाना में **190 दिन** का समय लगता है।
- **ऋण वितरण** में उत्तर प्रदेश ने **14 प्रतिशत की वृद्धि** दर्ज की है।
- उत्तर प्रदेश ने **पिछले वर्ष की तुलना में 250 करोड़ रुपए अधिक** [बजट](#) **व्यय** किया है।
- वहीं **वर्ष 2025-26 के बजट** में **56 प्रतिशत की वृद्धि** के साथ **उत्तर प्रदेश के लिये 300 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि** का प्रावधान किया गया है।

PMFME के बारे में:

- **परिचय**
  - इसे [आत्मनिर्भर अभियान](#) के तहत वर्ष 2020 में शुरू किया गया है, इसका उद्देश्य [खाद्य प्रसंस्करण उद्योग](#) के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाना और क्षेत्र की औपचारिकता को बढ़ावा देना तथा [किसान उत्पादक संगठनों](#), [स्वयं सहायता समूहों](#) एवं उत्पादक सहकारी समितियों को सहायता प्रदान करना है।
  - यह योजना इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं और उत्पादों के विपणन के संबंध में पैमाने का लाभ उठाने के लिये [एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP)](#) दृष्टिकोण अपनाती है।
  - PMFME योजना वर्तमान **35 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित** की जा रही है।
  - इसे पाँच वर्ष (2020-21 से 2024-25) की अवधि के लिये लागू किया गया था।
- **नोडल मंत्रालय:**
  - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (Ministry of Food Processing Industries- MoFPI)।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/food-industry-upgradation-scheme